

**नम पुं. (तत्.)** 1. नमस्कार 2. त्याग 3. अन्न 4. वज्र 5. स्रोत **वि. (फा.)** नमी लिए हुए, आर्द्र, गीला, जलीय अंश से युक्त।

**नमक पुं. (फा.)** भोज्य पदार्थों में स्वाद में खारापन लाने के लिए प्रयुक्त क्षारीय पदार्थ जो बहुतायत में समुद्र से प्राप्त होता है, नमक, नोन, लवण मुहा. नमक अदा करना- कृतज्ञता प्रकट करना, अवसर आने पर स्वामी की सेवा करना या बदला चुकाना; नमक खाना- किसी की कृपा पर जीवित रहना; नमक-मिर्च लगाना- बढ़-चढ़ कर बुराई करना; कटे/जले पर नमक छिड़कना- दुखी व्यक्ति को और दुखी करना।

**नमक खवार वि. (फा.)** नमक खाने वाला।

**नमकदान पुं. (फा.)** पिसा नमक रखने का पात्र।

**नमकसार पुं. (फा.)** वह स्थान जहाँ से नमक निकलता हो।

**नमकहराम पुं. (फा.)** किसी का दिया खाकर उसी के प्रति द्रोह करने वाला, कृतघ्न, उपकार न मानने वाला।

**नमकहरामी स्त्री. (फा.)** कृतघ्नता।

**नमकहलाल वि. (फा.)** 1. अपने स्वामी, अन्नदाता का कार्य धर्म पूर्वक करने वाला, मालिक की भलाई करने वाला मनुष्य 2. उपकार को स्वीकार करने वाला, कृतज्ञ।

**नमकहलाली स्त्री. (फा.)** नमक हलाल होने का भाव, स्वामी निष्ठा, स्वामिभक्ति, कृतज्ञा।

**नमकीन वि. (फा.)** 1. नमक जैसे स्वाद वाला 2. जिसमें नमक डाला गया हो 3. जिसमें लावण्य हो, सौंदर्य से युक्त पुं. ऐसे भोज्य पदार्थ जिनका स्वाद नमक वाला हो जैसे, समोसा, पकौड़ा।

**नमगीरा पुं. (फा.)** 1. ओस आदि से रक्षा के लिए पलंग के ऊपरी भाग में ताना गया कपड़ा 2. पाल या तिरपाल जो धूप या गर्मी से बचाव के लिए किसी स्थान के ऊपर ताना जाय।

**नमत पुं. (तत्.)** 1. प्रभु स्वामी 2. नट, अभिनेता 3. धुआं 4. मेघ **वि. 1.** नम्र, झुका हुआ 2. वक्र, टेढ़ा।

**नमदा पुं. (फा.)** वह ऊनी कंबल या कपड़ा जिसे ऊन जमाकर बनाया जाता है।

**नमन पुं. (तत्.)** 1. प्रणाम, नमस्कार 2. झुकाव 3. नमस्कार करना 4. झुकने की क्रिया **वि. (तत्.)** 1. झुकने वाला, झुका हुआ 2. पराजित होने वाला, पराभूत 3. झुकने वाला, नत करने वाला।

**नमना अ.क्रि. (तद्.)** 1. झुकना 2. प्रणाम करना, नमस्कार करना।

**नमनीय वि. (तत्.)** 1. नमस्कार करने योग्य, आदरणीय, पूजनीय, जिसे नमस्कार किया जाए 2. जो झुक सके या जो झुकाया जा सके।

**नमनीयता स्त्री. (तत्.)** 1. लचक, लोच।

**नमस पुं. (तत्.)** 1. झुकना, नमन 2. प्रणाम, नमस्कार 3. त्याग, छोड़ देना 4. यज्ञ 5. अन्न 6. वज्र 7. स्रोत **वि. प्रसन्न।**

**नमसित वि. (तत्.)** पूजित, जिसे नमस्कार किया गया हो।

**नमस्करण पुं. (तत्.)** आदर या श्रद्धा के साथ नमस्कार करने की क्रिया या स्थिति।

**नमस्कार पुं. (तत्.)** 1. झुककर अभिवादन या प्रणाम करना 2. एक प्रकार का विष।

**नमस्कारी स्त्री. (तत्.)** 1. लज्जावती, लजालु 2. खदिरी या खदरिका नमक क्षुप।

**नमस्कार्य वि. (तत्.)** 1. पूज्य, नमस्कार करने योग्य, वंदनीय 2. जिसे नमस्कार किया जाय।

**नमस्कृत वि. (तत्.)** जिसे आदर सहित नमस्कार किया गया हो।

**नमस्ते अव्य. (तत्.)** मूलतः यह पूरा वाक्य है जिसका अर्थ है कि तुम्हे नमस्कार है, पर सामान्यतः नमस्कार के लिए इसका प्रयोग होता है।